पाठ ८ खतरे में साँप

कहानी का सारांश

इस कहानी में, सारे जानवर खतरे में अपनी जान कैसे बचाएँ, इस पर चर्चा कर रहे हैं। बंदर की सलाह है कि खतरे के समय सिर पर पैर रखकर भागना सबसे अच्छा है। यह सलाह सभी जानवरों को पसंद आती है और वे अपने-अपने ठिकाने चले जाते हैं।
लेकिन साँप इस सलाह से खुश नहीं हैं। वे सोचते हैं कि सिर पर पैर रखकर भागना उनके लिए संभव नहीं है। वे अपने लंबे शरीर के कारण जल्दी भाग नहीं सकते। इसलिए, वे एक-दूसरे का मुँह ताकते हुए वहीं बैठे रहते हैं।

संदेश :- इस कहानी का मूल संदेश यह है कि हर किसी की अपनी क्षमता होती है। हर किसी के लिए एक जैसी सलाह काम नहीं कर सकती है। साँपों के लिए सिर पर पैर रखकर भागना संभव नहीं है, इसलिए उन्हें अपनी क्षमता के अनुसार कोई अन्य उपाय सोचना चाहिए।

शब्दार्थ:

- इकट्ठा होना - एकत्र होना, जुटना
- बात चल रही थी - चर्चा हो रही थी
- खतरा - संकट
- बहस - विवाद
- सलाह - सुझाव
- सिर पर पैर रखकर भागना - डर के कारण तेजी से भागना।
- समाप्त - खत्म
- ठिकाना - स्थान, जगह
- एक-दूसरे का मुँह ताकना - उल्जनमें एक दुसरे के सामने देखना, दूसरे पर आश्रित होना।

egyanarchive

प्रश्न-अभ्यास

बातचीत के लिए

1. साँप वहीं क्यों बैठे रह गए?

उत्तर:- साँप वहीं बैठे रह गए क्योंकि वे बंदर की सलाह से सहमत नहीं थे। वे सोचते थे कि सिर पर पैर रखकर भागना उनके लिए संभव नहीं है।

2. आप साँप को क्या सलाह देंगे?

उत्तर:- मैं साँप को सलाह दूंगा कि वे अपनी क्षमताओं के अनुसार कोई अन्य उपाय सोचें। जैसे की बिल में चले जाना या पेड़ पैर चढ़ जाना।

3. 'सिर पर पैर रखकर भागना' का क्या अर्थ है?

उत्तर:- 'सिर पर पैर रखकर भागना' का अर्थ है - डर के कारण तेजी से भागना।

प्रश्न-अभ्यास

शब्दों का खेल

आओ 'र' पहचाने

देखिए और बोलिए 'र' से क्या-क्या शब्द हैं –

उत्तर:- रमा, रोटी, रानी, रेल, रस्सी, रसगुल्ला

यहाँ कुछ शब्द दिए जा रहे हैं, इनमें से 'र' को खोजिए और घेरा लगाइए –

गिलहरी बकरी रिमझिम गिरगिट खरगोश

egyanarchive

उत्तर:- गिलहरी बकरी रिमझिम गिरगिट खरगोश

दिए गए अक्षरों को जोड़कर अपने शब्द बनाइए –

घ	ड़ा	हा	ता
दी	ला	थी	ली
मि	ठा	ई	दी
गा	ड़ी	धा	ना

उत्तर:- घड़ा मिठाई हाथी गाड़ी ताली

कहानी सुनाइए

नीचे कुछ शब्द और चित्र दिए गए हैं। इनकी सहायता से कोई कहानी बनाइए और कक्षा में सुनाइए –

खरगोश भालू कछुआ चिड़िया बंदर दौड़ना

उत्तर:-

एक बार की बात है, एक जंगल में एक छोटी सी लड़की रहती थी। उसका नाम मीना था। मीना बहुत प्यारी और मिलनसार लड़की थी। वह जंगल के सभी जानवरों से दोस्ती करती थी।

एक दिन, मीना जंगल में खेल रही थी। तभी उसने एक दौड़ का आयोजन किया। दौड़ में खरगोश, भालू, कछुआ, चिड़िया और बंदर भाग लेने आये।

दौड़ शुरू हुई और सभी जानवर तेजी से दौड़ने लगे। खरगोश सबसे आगे था। वह बहुत तेज दौड़ रहा था। भालू खरगोश के पीछे था। कछुआ धीरे-धीरे दौड़ रहा था। चिड़िया आकाश में उड़ रही थी। बंदर पेड़ों पर चढ़ रहा था। मीना भी बहुत तेज दौड़ रही थी। वह खरगोश और भालू के पीछे थी।

मीना ने भागते हुए भालू के पीछे कर दिया। खरगोश बहुत आगे था लेकिन वह रुक गया और आराम करने लगा। तभी मीना आगे निकल गई और दौड़ जीत गई। मीना बहुत खुश थी। सभी जानवरों ने मीना को बधाई दी।

खरगोश को अपनी हार पर बहुत दुख हुआ। उसने मीना से कहा, "तुम बहुत अच्छी दौड़ती हो। तुमने मुझे हराया।"

मीना ने खरगोश को कहा, "हारना कोई बुरी बात नहीं है। हार से हमें सीख मिलती है। हमें हमेशा मेहनत करनी चाहिए और कभी हार नहीं माननी चाहिए।"

egyanarchive